करियर शीट · CAREER SHEET

Mason (Stone)

मेसन (पत्थर) वह कारीगर है जो सैंडस्टोन (बलुआ पत्थर), संगमरमर, ग्रेनाइट और चूना-पत्थर जैसे प्राकृतिक पत्थरों को निर्धारित मानक और डिज़ाइन के अनुसार काटता, तराशता (ड्रेसिंग), आकार देता, बिछाता और चमकाता है। वह पत्थर की दीवारें,...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6361

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

मेसन (पत्थर) वह कारीगर है जो सैंडस्टोन (बलुआ पत्थर), संगमरमर, ग्रेनाइट और चूना-पत्थर जैसे प्राकृतिक पत्थरों को निर्धारित मानक और डिज़ाइन के अनुसार काटता, तराशता (ड्रेसिंग), आकार देता, बिछाता और चमकाता है। वह पत्थर की दीवारें, नींव, फ़र्श, मेहराब, चौखट और हेरिटेज ढांचे बनाता है और चूना/सीमेंट मसाला भरकर जोड़ को मज़बूत करता है। राजस्थान, जहाँ जोधपुर का लाल पत्थर, मकराना का संगमरमर और किलों-हवेलियों की पत्थर-निर्माण परंपरा सदियों पुरानी है, वहाँ कुशल पत्थर मिस्त्री की माँग हमेशा बनी रहती है। यह ईंट की चिनाई या टाइल के काम से अलग, विशेष रूप से पत्थर पर आधारित हुनर है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	8वीं पास + 18 वर्ष (एनएसक्यूएफ लेवल 4)
कोर्स अवधि	लगभग 3–6 माह (या आईटीआई 1 वर्ष)
आरंभिक वेतन	₹12,000–16,000/माह
कार्य-शैली	निर्माण साइट पर पूर्णकालिक/दिहाड़ी हुनरमंद काम

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- पत्थर से चीज़ें बनाने और तराशने में रुचि
- हाथ के हुनर और मेहनत वाले काम का शौक
- टीम में मिलकर निर्माण करने का उत्साह

क्षमताएँ

- शारीरिक रूप से स्वस्थ और मज़बूत होना
- आँख-हाथ का अच्छा तालमेल और नाप-जोख की समझ
- पत्थर, स्तर (लेवल) और साहुल की परख करने की क्षमता

ज़रूरी कौशल

- पत्थर को काटना, तराशना (ड्रेसिंग) और आकार देना
- चूना/सीमेंट मसाला बनाकर पत्थर बिछाना व जोड़ भरना
- साहुल, लेवल और सूत्र (डोरी) से सीध व समतल जाँचना
- पत्थर की दीवार, नींव, मेहराब और फ़र्श का निर्माण
- संगमरमर/ग्रेनाइट की फिनिशिंग और पॉलिश
- नक्शा/ड्राइंग पढ़ना और नाप के अनुसार काम करना

- औज़ारों का सुरक्षित उपयोग और साइट पर सुरक्षा

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 8 पूरी करें और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. मेसन (स्टोन) एनएसक्यूएफ लेवल 4 कोर्स के लिए एनएसडीसी/सीएसडीसीआई/पीएमकेवीवाई केंद्र में नामांकन करें।
3. या आईटीआई में 'मेसन (बिल्डिंग कंस्ट्रक्टर)' ट्रेड करें और पत्थर के काम में विशेषज्ञता लें।
4. किसी अनुभवी पत्थर मिस्त्री के साथ सहायक (हेल्पर) के रूप में व्यावहारिक अनुभव लें।
5. सैंडस्टोन/मार्बल की कटाई, ड्रेसिंग और चिनाई का अभ्यास करके हुनर बढ़ाएँ।
6. राजस्थान में आरएसएलडीसी/पीएमकेवीवाई केंद्रों से प्रशिक्षण व प्लेसमेंट सहायता लें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- सीएसडीसीआई/एनएसडीसी द्वारा मेसन (स्टोन) ट्रेड मूल्यांकन व प्रमाणन परीक्षा

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — राजस्थान सहित अखिल भारतीय नेटवर्क (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान के विभिन्न जिले (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss/)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन/निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- Construction Skill Development Council of India (CSDCI) — अखिल भारतीय / नई दिल्ली (https://www.csdcindia.org/)
- Construction Industry Development Council (CIDC) — अखिल भारतीय / नई दिल्ली (https://www.cidc.in/)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- एनएसडीसी – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — ऑनलाइन (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (एनएसडीसी, जेएसएस, आरएसएलडीसी, पीएमकेवीवाई) के तहत मेसन (स्टोन) कोर्स मुफ़्त या बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध है। आईटीआई की सालाना फीस भी बहुत कम (लगभग ₹1,000–7,000) होती है।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/fresh/onlineInstituteSearchIndex)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)
- SJE Rajasthan Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

निर्माण एजेंसियां, बिल्डर्स, पत्थर की खदानें व यार्ड, हेरिटेज/मंदिर निर्माण, हवेली-किला मरम्मत, और स्थानीय भवन निर्माण स्थल।

कार्य-संस्कृति

आमतौर पर सप्ताह में 6 दिन, रोज़ 8–9 घंटे काम होता है; ओवरटाइम आम है। काम अधिकतर खुले में, धूप-धूल और पत्थर की गर्द के बीच होता है, इसलिए मास्क, दस्ताने व सुरक्षा उपकरण ज़रूरी हैं। इस क्षेत्र में दिव्यांगजनों के लिए भी कुछ अवसर मौजूद हैं।

कौन नौकरी देता है

- निर्माण एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियां और बिल्डर्स
- हेरिटेज/मंदिर व किला-हवेली संरक्षण और मरम्मत एजेंसियां
- रियल एस्टेट डेवलपर्स और लैंडस्केप/गार्डन निर्माण फर्में
- पत्थर व संगमरमर की खदानें, प्रोसेसिंग यूनिट और स्टोन यार्ड (किशनगढ़, मकराना, जोधपुर)
- सीपीडब्ल्यूडी, राजस्थान पीडब्ल्यूडी और नगर निगम
- पत्थर के ठेकेदार और स्वरोज़गार (अपना काम)

माँग (2026)

राजस्थान भारत का सबसे बड़ा पत्थर उत्पादक राज्य है — जोधपुर का सैंडस्टोन, मकराना का संगमरमर और किशनगढ़ का मार्बल हब देश-विदेश में मशहूर है। किलों, हवेलियों, मंदिरों की मरम्मत और नए पत्थर-आधारित भवनों के लिए कुशल पत्थर मिस्त्री की लगातार माँग रहती है। शहरीकरण, हेरिटेज पर्यटन और सैंडस्टोन के निर्यात के कारण यह हुनर स्थिर रोज़गार और अच्छी दिहाड़ी देता है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. पत्थर मिस्त्री सहायक (हेल्पर) / मेसन लेवल-2

2. मेसन (स्टोन) लेवल-3
3. कुशल मार्बल, ग्रेनाइट व स्टोन मेसन
4. मेसन लेवल-5 / मुखिया मिस्त्री (हेड मेसन)
5. कंस्ट्रक्शन सुपरवाइज़र
6. साइट मैनेजर / पत्थर ठेकेदार

कमाई

शुरुआत	₹12,000–16,000/माह
मध्य स्तर	₹18,000–28,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹30,000–50,000+/माह

इंडीड (फ़रवरी 2026) के अनुसार भारत में मेसन की औसत आय लगभग ₹25,000/माह है, जबकि सरकारी एनसीएस आँकड़ा शुरुआती स्टोन मेसन के लिए ₹19,500–21,000/माह बताता है। हुनर और अनुभव बढ़ने पर — खासकर संगमरमर/ग्रेनाइट फिनिशिंग, हेड मेसन या पत्थर ठेकेदार बनने पर — आय काफी बढ़ जाती है। दिहाड़ी दर और शहर के अनुसार आय बदलती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- राजस्थान की पत्थर-निर्माण परंपरा में हमेशा माँग वाला हुनर
- अनुभव से हेड मेसन या अपना ठेका शुरू करने का मौका
- बिना ऊँची पढ़ाई के भी हुनर से अच्छी दिहाड़ी और सम्मान

चुनौतियाँ

- कठिन शारीरिक श्रम और धूप-धूल भरा माहौल
- पत्थर की गर्द से स्वास्थ्य जोखिम — सुरक्षा उपकरण ज़रूरी
- दिहाड़ी काम में आमदनी मौसम व प्रोजेक्ट पर निर्भर

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Pratyush Kumar Dalabehera
इंडियास्किल्स 2024 में ब्रिकलेइंग (चिनाई) का स्वर्ण पदक विजेता, ओडिशा

ओडिशा के प्रत्यूष कुमार दलबेहरा ने चिनाई (ब्रिकलेइंग) के हुनर में कड़ी मेहनत करके इंडियास्किल्स 2024 की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता और भारत की स्किल टीम में जगह बनाई। उनकी कहानी दिखाती है कि पत्थर और चिनाई जैसे निर्माण हुनर को गंभीरता और अनुशासन से सीखने पर, साधारण शुरुआत से भी राष्ट्रीय पहचान और मज़बूत करियर बन सकता है — चाहे रास्ता पत्थर की चिनाई हो, संगमरमर की फिनिशिंग हो या हेड मेसन बनना।

WorldSkills India / IndiaSkills 2024 · https://www.worldskillsindia.co.in/pdf/IndiaSkills_2024_WINNERS.pdf

Sr. Thresiamma Mathew
अर्चना वीमेन्स सेंटर की संस्थापक, जिन्होंने ~2,500 महिलाओं को राजमिस्त्री बनाया

केरल के कोट्टायम की सिस्टर थ्रेसिअम्मा मैथ्यू ने उस निर्माण क्षेत्र में महिलाओं के लिए दरवाज़े खोले, जिसे हमेशा 'पुरुषों का काम' माना जाता था। उन्होंने 2004 में अर्चना वीमेन्स सेंटर की स्थापना की और अब तक लगभग 2,500 गरीब महिलाओं को कुशल राजमिस्त्री (मेसन) के रूप में प्रशिक्षित किया — यहाँ तक कि सेंटर की अपनी मुख्य इमारत भी इन्हीं महिला मिस्त्रियों ने बनाई। उनका सफ़र राजस्थान की उन लड़कियों के लिए भी प्रेरणा है जो पत्थर की चिनाई, तराशी और निर्माण जैसे हुनर में आत्मनिर्भर करियर बनाना चाहती हैं।

Global Sisters Report · https://www.globalsistersreport.org/blog/q/equality/q-sr-thresiamma-mathew-bringing-gender-equality-through-masonry-49816

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – मेसन (पत्थर) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b8%e0%a4%a8-%e0%a4%aa%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%a5%e0%a4%b0/

2. कंस्ट्रक्शन स्किल डेवलपमेंट काउंसिल ऑफ इंडिया (CSDCI) — https://www.csdcindia.org/

3. इंडीड – मेसन सैलरी इन इंडिया — https://in.indeed.com/career/mason/salaries

4. वेजइंडिकेटर – स्टोनमेसन/स्टोन कटर वेतन — https://wageindicator.org/en-in/work-in-india/role-and-pay/india-stonemasons-stone-cutters-splitters-and/

5. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल — https://scholarships.gov.in

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
career.gsssjethantri.in